



D-2 ग्राम पालिका एवं स्वास्थ्य बोर्ड
ग्राम पालिका एवं स्वास्थ्य बोर्ड
ग्राम पालिका एवं स्वास्थ्य बोर्ड





D २ व लोक सेवा व स्वस्थतामा
लोक सेवा व स्वस्थतामा
ग्रामीण बालमा एवं स्वस्थतामा
ग्रामीण बालमा एवं स्वस्थतामा





D-2 नगर पालिका संस्थानीय विकास बोर्ड
ग्रामीण नाटक एवं स्वच्छता गोपनी
ग्रामीण नाटक एवं स्वच्छता गोपनी

8

पेपजल एवं स्वच्छता प्रदर्शनी

सिद्धिनाम

नोट :- गतिविधि से संबंधित पांच अच्छी फोटो उसी दिन पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है।





राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन

(भूमध्ये गंगे तथा प्राचीन जलाधारों किंवा उत्तर प्रदेश राज्य)



भरेलू किनारील नल संयोजन (FHTC) को अपनाने के लिये समुदाय को प्रेरित किये जाने हेतु जनपद की समस्त राजस्व ग्राम पचासहों में के सार्वजनिक ल्लाल पर नुककड़ नाटक के माध्यम से प्रेयजल एवं कुष्ठसता सम्बन्धी कल्परत एकीकृती प्रोग्राम।

राजस्व प्राप्ति पंचायत : अमृता विकासखण्ड : ०२०१२५ जनपद : २६७५

प्रमाण पत्र

अमरप्रैल प्रकल्प इनप्रेसित किया जाता है कि साथ मिलकर एवं साथसाथ मिलन उत्तर प्रदेश के सरकार द्वारा गुरुग्राम एवं लखनऊ
के दो निवास 14/06/1024 को उत्तर प्रदेश मिलन हुए एवं जल विभाग के उद्देश्य प्रयत्नमाला में गुरुग्राम
नगर/कल्पना समिक्षिती प्रणाले कर अनेकों को इकट्ठा कर उत्तर-पश्चिम के दीर्घ याकरण साहस्र हैलौट ही क्षेत्रकर्म जूह एवं
गुरुग्राम प्रयत्नमाला जम-उपरित ग्राम दीपरियों से साथ याकरण प्रयत्नमाला आयुर्वेद नहीं है जल के उपयोग के साथ-साथ वाहूप
प्रयत्नमाला अग्रिम धोजन के साथ-साथ याकरण में जातिगत लोकभौती धर्मियों को बारे में विवरण एवं साथसाथ सम्बन्धी जम-उत्तरप्रदेश
वासियों की जानकारी दी गयी।

एकेवरी द्वारा गुरुजन्म नाटक निर्देश द्वारा संवेदन सभा में एक उम्मीद-समाज के दीनदरियों ने हमें बताए दृष्टव्यग्रहों की जागान करने, मरीज की प्रश्नावित देख-भाल सम्बन्धित विधियों का प्रयोग और उन के संबंध में देखभाल की विधान द्वारा पूर्ण में प्रतिष्ठित रखनीय कार्यों के बारे में ज्ञान देनार्थ यथा। यह ही जल विभिन्न उम्मीद-समाजों के देखभाल की विधियों (उम्मीद-मरीजों के सम्बन्ध वाले का उन्नत्यज्ञ, यहाँ दैवतपूजा से जानी याचन, जल को एक दीये के पासी का विषय वज्र-स्वर्गा व मुख्यमित्र उपर्याप्त जल विकासी का उचित प्रश्नावयन, हाथ धोने वाले पात्र प्रयोग आदि) वह से जल धोनावाले वारे में व्यापक जनसामग्रीकाला अधिकाराम वज्र का ग्राहण जम सम्पाद्य को अवश्य करते हुए, व्यापार परिवर्तन देते गुरुजन्म नाटक, कल्याण एवं इतिहासी प्रश्नावयन वाले प्रोत्तर लिखा गया।

सामग्रित एवं नये द्वारा कार्यक्रम के दोनों दिशाएँ, और इन्हें संभित गुणात् भाटा, कल्पनात् लैटिफिति पृष्ठे ही साध्यम् हैं। प्रश्न-प्रश्नात् जाएँत नहीं बढ़ायें विभिन्न तरह की स्ट्रोटों तथा आवश्यक आई ही तो सटेरियो-इकॉनेट पर्माइट थेक्टर एवं नीटीकर इकॉनेट व्याप के अनुसार विभिन्न करते ही वेष्टिल एवं स्ट्रोटों सम्बन्धी काल्पनिक लैटिफिति प्राप्तांग सम्पन्न कर संस्कृत सामग्री, जब वस्ट विभाग के अनुसार विभिन्न रासग पर संरोक्त आई ही तो गोलिफिति के अनुसार उच्च-जागरणकालीन कार्यक्रम में दैश-दैश में सम्बन्धित जागरूक गया। असंख्य प्रेष्टिल एवं उत्पादकों से सम्बन्धित हीन के साथ ही उच्च-सम्मुदाय के सिंह आधिकारी एवं लक्ष्यात् रहा।

उत्तराखण्ड की विभिन्न संस्कृत एवं अन्य विद्यालयों के बीच 03 प्रौद्योगिकी विषयों—

